मुख्य बातें

1. भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैकों की मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां, 31 मार्च 2010 की स्थिती के अनुसार बी.एस.आर 1 और 2 सर्वेक्षणों के जरिए संकलित किए गए आंकडों पर आधारित हैं। इस सर्वेक्षण में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के 86,960 कार्यालय शामिल किये गए हैं । ये विवरणियां भारत के अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की प्रत्येक शाखा/कार्यालय से प्राप्त की गई हैं । इसकी मुख्य विशेषताएं यहाँ दी जा रही हैं ।

अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का बकाया ऋण

2. कुल बकाया ऋण में वृध्दि

- मार्च 2010 की अंतिम स्थिति के अनुसार अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का कुल बकाया ऋण रु.33,45,169 करोड था। यह वृध्दि 17.5 प्रतिशत की है जबकि पिछले वर्ष इसमें 17.8 प्रतिशत की वृध्दि हुई थी। (सारणी सं.1.3)

- उधार खातों की संख्या वर्ष 2009* के 11.0 करोड से 7.8 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2010* में 11.9 करोड तक हो गई। (सारणी सं. 1.3)

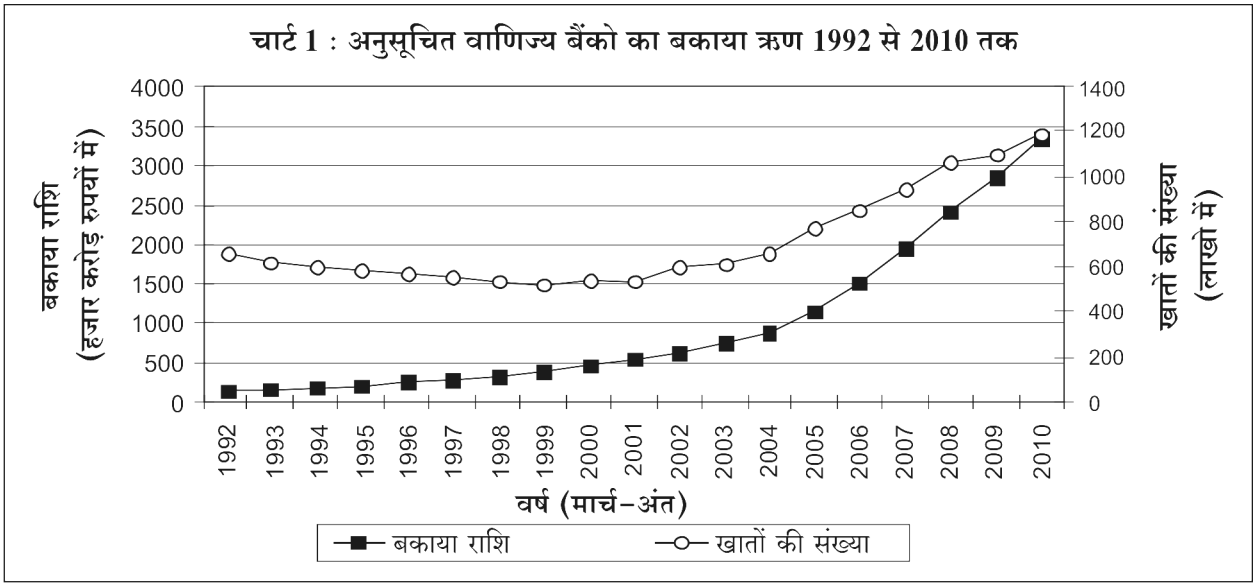

3. बैंक समूहवार ऋण का वितरण

- कुल बैंक ऋण में राष्ट्रीयकृत बैंकों का हिस्सा आधे से ज्यादा रहा है । इसमें 2009 के 50.5 प्रतिशत की तुलना में 2010 में 52.0 प्रतिशत तक वृध्दि हुई है । निजी क्षेत्रिय बैंकों का हिस्सा 2010 में 17.5 प्रतिशत रहा । विदेशी बैंकों का हिस्सा इस साल कम होकर 4.9 प्रतिशत रहा जो कि पिछले वर्ष 5.9 प्रतिशत था। (सारणी सं. 1.4)

---

* 2010 तथा 2009 की अवधि के संदर्भ का अर्थ क्रमश: मार्च 2010 और मार्च 2009 की अंतिम स्थिति लिया गया है ।

- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने वर्ष 2010 में 23.8 प्रतिशत की उच्चतम ऋण वृध्दि दिखाई है और उसका अनुकरण करते हुए राष्ट्रीयकृत बैंकोंने 21.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है । स्टेट बैंक और उसके सहयोगी बैंकों ने और निजी क्षेत्रीय बैंकों ने वर्ष 2010 में प्रत्येकी 17.7 और 12.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। वर्ष 2010 में विदेशी बैंकों ने ऋण में 1.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है ।
- 2010 में वृध्दिशील ऋण में स्टेट बैंक और उसके सहयोगी बैंकों, राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा निजी क्षेत्रीय बैंकों का हिस्सा क्रमश: 23.4, 60.5 और 13.4 प्रतिशत रहा है ।

4. बैंक ऋण का क्षेत्रवार (व्यवसाय के अनुसार) उपयोग

- कुल बैंक ऋण में कृषि क्षेत्र के हिस्से में 2009 के 10.9 प्रतिशत की तुलना में 11.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उद्योग ऋण का हिस्सा 2010 में बढकर 40.5 प्रतिशत हो गया जो 2009 में 39.8 प्रतिशत था । (सारणी 1.11 और चार्ट–2)
- कुल बैंक ऋण में व्यक्तिगत ऋणों के हिस्से में पिछले वर्ष के 19.4 प्रतिशत से 2010 में 16.7 प्रतिशत तक गिरावट पाई गई है ।
- व्यापार के ऋण का हिस्सा वर्ष 2009 के 9.7 प्रतिशत की तुलना में 2010 में बढ़कर 9.1 प्रतिशत हो गया है ।

चार्ट 2 : कुल बैंक ऋण का क्षेत्रवार उपयोग

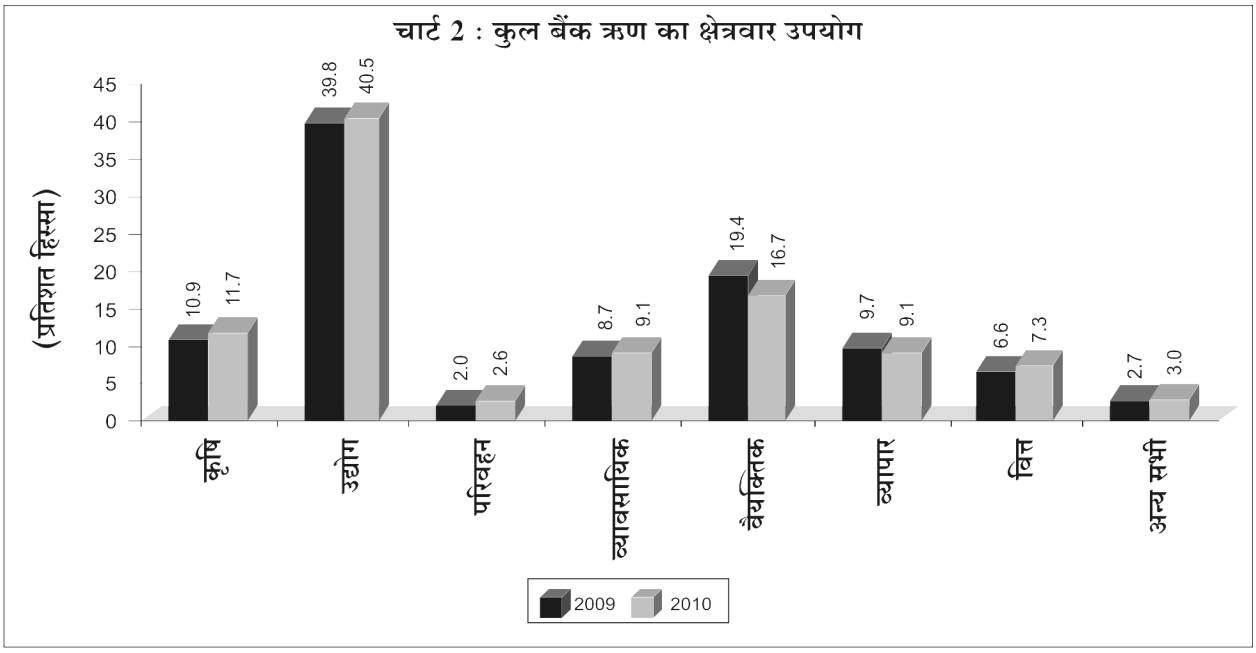

5. क्षेत्रवार (व्यवसाय के अनुसार) ऋण लिया जाना

- कृषि के बैंक ऋण का विकास दर पिछले वर्ष के 12.9 प्रतिशत की तुलना में 2010 में 26.1 प्रतिशत तक बढ गया। (सारणी 1.9)
- उद्योग ऋण की वृध्दि में गिरावट दर्ज की गई और 2009 की 22.2 प्रतिशत की तुलना में यह वृध्दि 2010 में 19.5 प्रतिशत की रही ।
- व्यक्तिगत ऋण में वर्ष 2009 के 14.0 प्रतिशत की वृध्दि की तुलना में वर्ष 2010 में 1.0 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज हुई है। आवास ऋण जो व्यक्तिगत ऋण का एक भाग है, पिछले वर्ष के 14.6 प्रतिशत की तुलना में इस साल 7.6 प्रतिशत तक बढ़ गया ।

6. वृध्दिशील बैंक ऋण (व्यवसाय के अनुसार)

- वृध्दिशील ऋण में, उद्योग क्षेत्र का हिस्सा वर्ष 2009 में 47.8 प्रतिशत था। वही प्रवृत्ति जारी रखते हुए वर्ष 2010 में भी उद्योग क्षेत्र ने 44.4 प्रतिशत तक मुख्य हिस्सा बरकरार रखा है ।
- कृषि क्षेत्र ने 2010 में वृध्दिशील ऋण का 16.3 प्रतिशत ग्रहण किया जो वर्ष 2009 में 8.2 प्रतिशत था ।
- व्यक्तिगत ऋण का हिस्सा वृध्दिशील ऋण में 1.1 प्रतिशत रहा जो तुलना में पिछले वर्ष में 15.8 प्रतिशत दर्ज किया गया था। आवास ऋण 4.3 प्रतिशत रहा जो पिछले वर्ष 8.4 प्रतिशत था ।
- वृध्दिशील ऋण में व्यावसायिकों को दिये गये ऋण का हिस्सा वर्ष 2009 के 14.2 प्रतिशत से 11.4 प्रतिशत तक घट् गया ।

7. बैंक ऋण का आकार के अनुसार वितरण

- कुल खातों की संख्या में, लघु उधार खातोंकी (जिनकी ऋण सीमा रु.2 लाख तक है) संख्या ने 2009 के 87.0 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 86.5 प्रतिशत का योगदान दिया है जबकि लघु उधार खातों का बकाया ऋण में हिस्सा 2009 के 12.3 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 10.8 प्रतिशत है। (सारणी सं. 1.12)
- रु.25 करोड से अधिक की ऋण सीमा वाले खातोंने 2010 की 43.7 प्रतिशत की बकाया ऋणमें योगदान दिया है, जो पिछले वर्ष के 41.2 प्रतिशत से उंचा है ।

8. बैंक ऋण पर ब्याज दर

- ब्याज दर सीमा (जिन खातों की ऋण सीमा रु.2 लाख से अधिक है) के अनुसार बकाया ऋण का वितरण यह व्यक्त करता है कि 6–12 प्रतिशत की सीमा में बकाया राशि का उच्चतम समानुपात 63.7 प्रतिशत था। (सारणी सं 1.13)
- रु.2 लाख से ऊपर की ऋण सीमा के सभी ऋणों और अग्रिमों का भारित औसत ब्याज दर (वेटेड एवरेज इंटरेस्ट रेट) मार्च 2010 के अंत में 10.5 प्रतिशत रहा है जो पिछले वर्ष 11.5 प्रतिशत था।

कुल जमाराशियां

9 कुल जमाराशियों में वृध्दि

- 2010 में कुल जमाराशियां 16.3 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज करते हुए रु.45,61,029 करोड हो गई। पिछले वर्ष यह वृध्दि 20.7 प्रतिशत की थी (सारणी सं.1.18)
- 2010 में जमाराशि खातों की संख्या 11.0 प्रतिशत से बढकर रु.73.5 करोड हो गई जो कि मार्च 2009 में रु.66.2 करोड थी ।

10. जमाराशियों का बैंक समूहवार वितरण

- 2010 में कुल बैंक जमाराशियों में राष्ट्रीयकृत बैंकों का 51.9 प्रतिशत का प्रमुख हिस्सा था। भारतीय स्टेट बैंक और उसके सहयोगी बैंकों का हिस्सा वर्ष 2009 के 24.1 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2010 में 22.3 प्रतिशत हो गया ।
- राष्ट्रीयकृत बैंकों की जमाराशियोंने 22.1 प्रतिशत की उच्चतम वृध्दि दर्ज की है। इसका अनुसरण करते हुए 2010 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने 19.8 प्रतिशत तथा निजी क्षेत्रीय बैंकों ने 12.9 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज की है ।

11. जमाराशियों के प्रकार

- कुल जमाराशियों में मीयादी जमाराशियों का हिस्सा वर्ष 2009 के 63.5 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2010 में 60.8 प्रतिशत हो गया । चालू तथा बचत (करंट और सेविंग्स) जमाराशियों के हिस्से 2010 में क्रमश: 12.2 प्रतिशत और 27.0 प्रतिशत रहे जो वर्ष 2009 में 12.0 और 24.5 प्रतिशत थे। (सारणी सं. 1.18)

12. मीयादी जमाराशियों की परिपक्वता का स्वरुप (मैच्यूरिटी पैटर्न)

- कुल जमाराशियों में 5 वर्ष और इससे अधिक की मूल परिपक्वता (ओरिजिनल मैच्यूरिटी) की अवधि वाली मीयादी जमाराशियों का हिस्सा पिछले वर्ष के 7.6 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2010 में बढकर 8.3 प्रतिशत हो गया है तथा 2 से 3 वर्ष की परिपक्वता की अवधि वाली जमाराशियों का हिस्सा पिछले वर्ष के 10.6 प्रतिशत से बढकर 12.3 प्रतिशत हो गया । (सारणी सं. 1.24)
- 1 वर्ष से अधिक और 2 वर्ष से कम की परिपक्वता की अवधि वाली मीयादी जमाराशियों का हिस्सा घटकर 2010 में 37.9 प्रतिशत हो गया जो 2009 में 41.5 प्रतिशत था ।

13. मीयादी जमाराशियों पर ब्याज दर

- 2010 में मीयादी जमाराशियों का भारित औसत (वेटेड एवरेज) ब्याज दर 7.0 प्रतिशत रहा जो मार्च 2009 के भारित औसत ब्याज दर 8.8 प्रतिशत की तुलना में अधिक है । (सारणी सं. 1.28)

14. ब्याज दर अंतर (इंटरेस्ट रेट स्प्रेड)

- मीयादी जमाराशियों के ऊपर बैंक ऋण (बड़े उधार खाते जिनकी ऋण सीमा 2 लाख रु. से अधिक है) का ब्याज दर अंतर (इंटरेस्ट रेट स्प्रेड) 2009 के 2.6 प्रतिशत से बढकर 2010 में 3.6 प्रतिशत हो गया है ।

ऋण जमाराशि (सी–डी) अनुपात
(ऋण की मंजूरी तथा उपयोग के स्थान के अनुसार)

15. जनसंख्या समूह के अनुसार (सी–डी) अनुपात

- अखिल भारतीय ऋण–जमाराशि (सी–डी) अनुपात 2010 में 73.3 प्रतिशत हो गया जो 2009 में 72.6 प्रतिशत था ।
- ग्रामीण क्षेत्र में, जनसंख्या समूहवार सी–डी अनुपात, ऋण की मंजूरी की जगह के अनुसार, मार्च 2010 में 59.3 प्रतिशत था । अर्ध शहरी और शहरी क्षेत्र का सी–डी अनुपात क्रमश: 52.1 तथा 59.1 प्रतिशत था । ग्रामीण, अर्धशहरी और शहरी क्षेत्रों में ऋण के उपयोग के स्थान के अनुसार सी–डी अनुपात क्रमश: 91.6, 59.9, 62.8 प्रतिशत था । महानगरी केंद्रों में मंजूरी तथा उपयोग के स्थान के अनुसार सी–डी अनुपात क्रमश: 85.9 और 77.4 प्रतिशत रहा। (सारणी सं.1.6)

16. भारत के राज्यों में ऋण का स्थानांतरण

- भारत के राज्यों में ऋण के स्थानांतरण का विश्लेषण, ऋण की मंजूरी की जगह तथा ऋण के उपयोग की जगह के अनुसार ऋण और जमाराशि (सी–डी) अनुपात के द्वारा किया गया है। (सारणी सं. 1.7 और चार्ट 3)
- राजस्थान, चंडीगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडू का सी–डी अनुपात, ऋण की मंजूरी के स्थान और उपयोग के स्थान, दोनों दृष्टियों से पूरे भारत के सी–डी अनुपात (73.3 प्रतिशत) से अधिक था ।
- इन राज्यों में चंडीगढ़, राजस्थान, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में ऋण की मंजूरी की अपेक्षा उपयोग का सी–डी अनुपात अधिक था ।

****

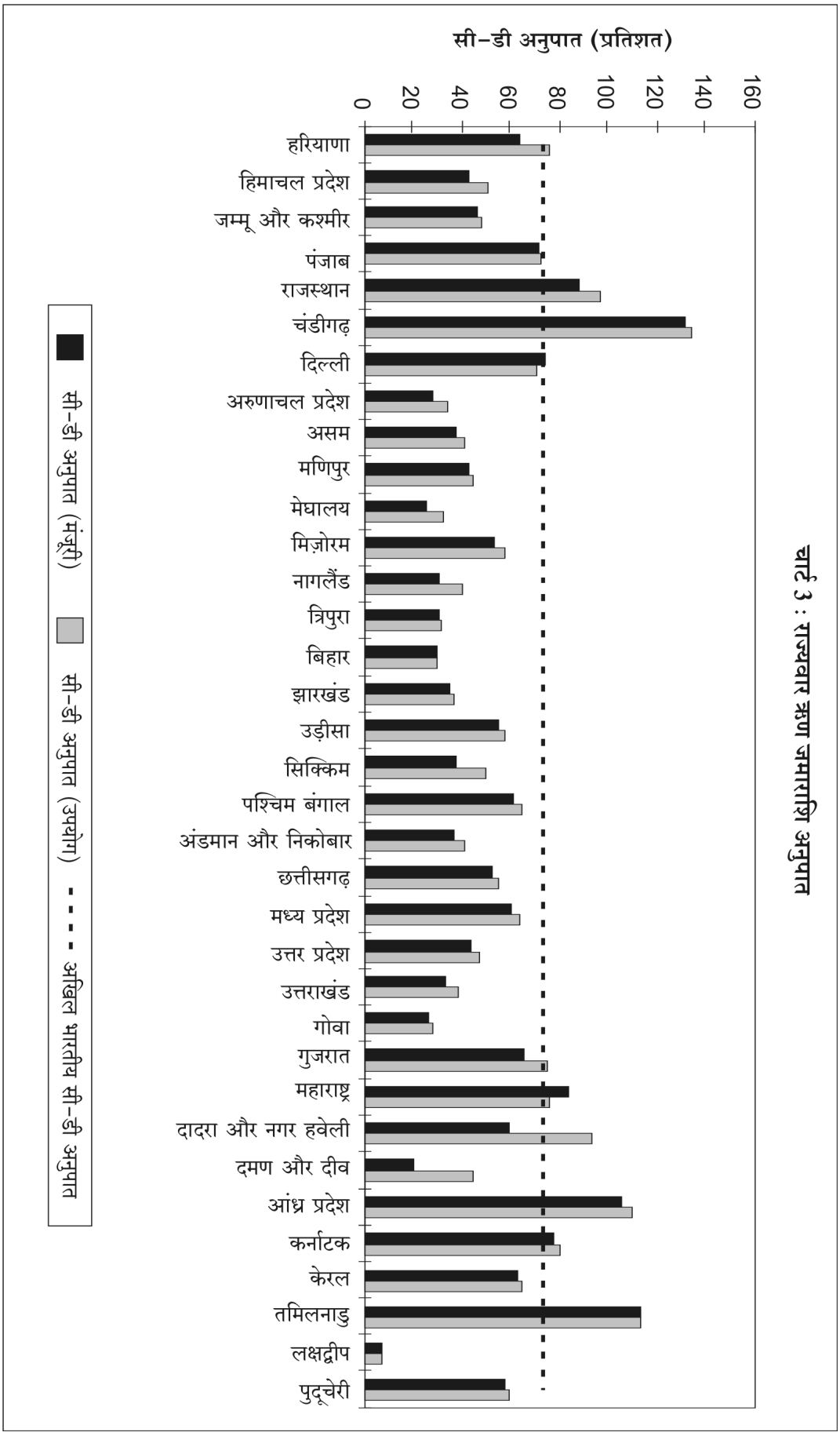

चार्ट 3 : राज्यवार ऋण जमाराशि अनुपात